भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
मौसम केंद्र
शिमला

Government of India
Ministry of Earth Sciences
Meteorological Centre
Shimla

हिमाचल प्रदेश के लिए कृषि मौसम सलाह बुलेटिन

बुलेटिन क्रमांक स-54/2025 जारी करने की तिथि:08.07.2025

DISTRICTWISE WEATHER WARNING FOR THE NEXT 5 DAYS

DAY 1(UPTO 0830 IST OF 09.07.2025)

DAY 2(UPTO 0830 IST OF 10.07.2025)

DAY 3(UPTO 0830 IST OF 11.07.2025)

DAY 4(UPTO 0830 IST OF 12.07.2025)

DAY 5(UPTO 0830 IST OF 13.07.2025)

Legends.

Warning.
- NO WARNING (NO ACTION)-कोई कार्यवाही नहीं
- WATCH (BE UPDATED)-निगरानी रखे
- ALERT(BE PREPARED)-सतर्क रहे
- WARNING(TAKE ACTION)-कार्यवाही करे

legends
- THUNDERSTORM
- Heavy rain with thunderstorm
- SNOW
- Heavy to Very Rain with thunderstorm
- HEAT WAVE
- GUSTY WINDS(Wind speed 30-40kmph)
- HAIL
- COLD WAVE / COLD DAY
- FOG
- Ground Frost

अगले 5 दिनों के लिए हिमाचल प्रदेश के लिए मौसम चेतावनी

दिनांक	08 जुलाई	09 जुलाई	10 जुलाई	11 जुलाई	12 जुलाई	13 जुलाई	14 जुलाई
चेतावनी	कहीं–कहीं पर भारी बारिश की संभावना है।	कहीं–कहीं पर भारी बारिश की संभावना है।	कहीं–कहीं पर भारी बारिश की संभावना है।	कहीं–कहीं पर भारी बारिश की संभावना है।	कहीं–कहीं पर भारी बारिश की संभावना है।	कहीं–कहीं पर भारी बारिश की संभावना है।	कहीं–कहीं पर भारी बारिश की संभावना है।

जिला	08 जुलाई	09 जुलाई	10 जुलाई	11 जुलाई	12 जुलाई
ऊना	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं
बिलासपुर	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं
हमीरपुर	कोई चेतावनी नहीं	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं
चंबा	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं
कांगड़ा	कोई चेतावनी नहीं	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं
कुल्लू	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।
मंडी	कोई चेतावनी नहीं	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।
शिमला	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं
सोलन	कोई चेतावनी नहीं	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।
सिरमौर	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।
किन्नौर	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं
लाहौल–स्पीति	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

मौसम की चेतावनी	प्रभावित क्षेत्र	प्रभाव और सलाह
भारी बारिश	मैदानी /निचले पर्वतीय क्षेत्र और मध्य पर्वतीय क्षेत्र	➢ संवेदनशील क्षेत्रों में स्थानीय भूस्खलन/मिट्टी के धंसने की संभावना। ➢ निचले इलाकों में जलभराव। ➢ कमजोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान। ➢ फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन फिसल सकते हैं। ➢ यातायात भीड़भाड़। ➢ स्थानीय आवश्यक सेवाएँ और नियमित आउटडोर व्यवसाय प्रभावित हो सकते हैं। ➢ यातायात सलाह का पालन करें। ➢ कमजोर क्षेत्रों और उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है। ➢ भारी बारिश के दौरान नदियों/नालों में तैरने या नौका विहार न करें। ➢ राज्य सरकार द्वारा जारी सलाह/दिशानिर्देशों का पालन करें।

DISTRICTWISE WEATHER FORECAST FOR THE NEXT 5 DAYS

DAY 1(UPTO 0830 IST OF 09.07.2025)

DAY 2(UPTO 0830 IST OF 10.07.2025)

DAY 3(UPTO 0830 IST OF 11.07.2025)

DAY 4(UPTO 0830 IST OF 12.07.2025)

DAY 5(UPTO 0830 IST OF 13.07.2025)

Legends
- DRY
- ISOL(0 TO 25%)
- SCT(26 TO 50%)
- FWS(51 TO 75%)
- WS(76 TO 100%)

*percentage based on the number of stations reporting rainfall

आगामी दिनों के लिए हिमाचल प्रदेश के लिए मौसम पूर्वानुमान							
दिनांक / स्थान	08 जुलाई	09 जुलाई	10 जुलाई	11 जुलाई	12 जुलाई	13 जुलाई	14 जुलाई
मैदानी / निचले पर्वतीय क्षेत्र	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा
मध्य पर्वतीय क्षेत्र	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा एक दो स्थानों पर भारी वर्षा
उच्च पर्वतीय क्षेत्र	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा

क्षेत्र	क्षेत्र/जिले
मैदानी / निचले पर्वतीय क्षेत्र	लाहौल और स्पीति, किन्नौर, चंबा के ऊपरी हिस्से, कुल्लू और मंडी जिले
मध्य पर्वतीय क्षेत्र	शिमला, मंडी, कुल्लू, चम्बा के कुछ भाग (सिहुंता, चौवारी और चम्बा), सोलन और सिरमौर जिलों के अधिकांश भाग
उच्च पर्वतीय क्षेत्र	ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा जिले के हिस्से (नूरपुर, ज्वाला और देहरा), सोलन (नालागढ़, बद्दी, अर्की और कुनिहार) और सिरमौर (नाहन, धौला कुआँ और पांवटा साहिब)

वर्षा का क्षेत्रफल- वर्षा रिपोर्ट करने वाले स्टेशनों का प्रतिशत			
%स्थान	श्रेणी	%स्थान	श्रेणी
51-75	अनेक स्थानों पर	1-25	एक दो स्थानों पर
कोई वर्षा नहीं	शुष्क		

अगले 5 दिनों में औसत बारिश का पूर्वानुमान

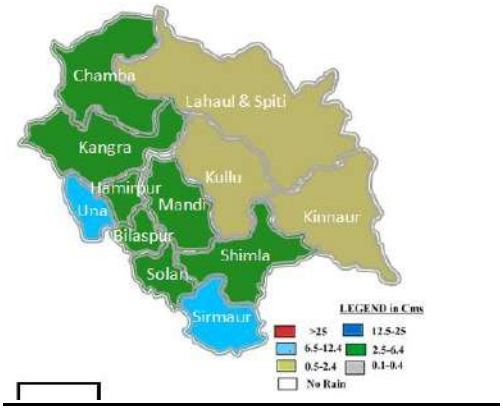

हिमाचल प्रदेश राज्य के लिए विस्तारित अवधि पूर्वानुमान (11 जुलाई 2025 – 17 जुलाई 2025)

वर्षा:-

कुछ दिनों के दौरान राज्य के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश तथा निचले पहाड़ी/मैदानी और आसपास के मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में एक-दो स्थानों पर भारीवर्षा होने की संभावना है।

• वर्षा विसंगति राज्य के अनेक हिस्सों में सामान्य से सामान्य के कम रहने की संभावना है।

अधिकतम तापमान:-

- अनेक दिनों के दौरान राज्य के ऊंचे पहाड़ियों के अधिकाँश हिस्सों में अधिकतम तापमान 26-30 डिग्री सेल्सियस, मध्य पहाड़ियों के अधिकाँश हिस्सों में 26-32 डिग्री सेल्सियस तथा निचले पहाड़ियों/मैदानी क्षेत्रों के अधिकाँश हिस्सों में 30-34 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

राज्य के निचली पहाड़ी/मैदानों के अधिकाँश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से सामान्य के करीब और मध्य और उच्च पहाड़ी के अनेक हिस्सों में सामान्य से सामान्य के कम रहने की संभावना है।

न्यूनतम तापमान:-

- न्यूनतम तापमान राज्य के निचले पहाड़ियों/मैदानों के अधिकाँश हिस्सों में 24-20 डिग्री सेल्सियस; मध्य पहाड़ियों के अधिकाँश हिस्सों में 22-18 डिग्री सेल्सियस और उच्च पहाड़ियों के अनेक हिस्सों में 22-16 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।
- • कुल्लू और लाहौल राज्य ,स्पिति के कुछ हिस्सों को छोड़कर जहाँ न्यूनतम तापमान सामान्य के कम रहने की सम्भावना है-के अनेक हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से सामान्य के करीब रहने की संभावना है।।

राज्य में पिछले चार दिनों की वर्षा का सारांश (दिनांक 05.07.2025 08.07.2025 तक)

	05.07.2025	06.07.2025	07.07.2025	08.07.2025
हिमाचल प्रदेश	अनेक स्थानों पर	अनेक स्थानों पर	कुछ स्थानों पर	कुछ स्थानों पर

हिमाचल प्रदेश सरकार के कृषि विभाग केAMFUs से एकत्रित फसल अवस्थाएँ

Districts	Stone fruits (Plum)	Apple	Cucumber	Maize	Tomato, Capsicum,
Bilaspur	-	-	Maturity/Harvesting	Tasseling	Fruit maturity/Harvesting

Sirmour	Harvesting	Fruit development	Fruit formation	Vegetative	Fruit formation
Solan	Harvesting	Fruit development	Flowering/Fruit formation	Vegetative	Fruit formation
Shimla	Harvesting	Fruit development	Flowering	Vegetative	Flowering/Fruit formation

Districts	*Kharif*	
	Rice	Maize
Chamba	Transplanting stage (3-4 leaf stage)	Knee high stage
Kangra	Transplanting stage (3-4 leaf stage)	Knee high stage
Hamirpur	Tillering stage (In early transplanted crop)	Knee high stage
Una	Tillering stage (In early transplanted crop)	Above Knee high stage
District		Crops

	Apple	**Apricot**	**Pea**	**Rajma**	**Cauliflower /Cabbage**	**Potato**	**Barley**	**Cucumber**	**Tomato**
Kinnaur	Fruit development	Fruit development	Flowering, pod development, maturity and Harvesting	Branching	Vegetative stage	Vegetative stage	Tillering	Vegetative / Flowering stage	Vegetative

Districts		***Crops***						
	Apple	**Pea**	**Cauliflower / Cabbage**	**Potato**	**Barley**	**Rajma**	**Cucumber**	**Tomato**
Lahaul-Spiti	Fruit development	Branching stage Vegetative/ Flowering / pod development	Vegetative stage	Vegetative stage	Tillering	Branching	Vegetative/ Flowering stage	Vegetative

S: Sowing, T: Transplanting, V : Vegetative, T : Tillering, F : Flowering, PF, Petal fall, PF : Pod Formation, PM: Pod maturity, BF: Bulb formation, H: Harvesting, DS:Dough Stage, M: Maturation

D:DormantF : Flowering stage , P/Mi : Flowering /milky stage, SD : Soft dough stage, D: Dough stage, SF/PM: Silique formation /Physiological maturity stage, PM: Physiological maturity stage , M: Maturity stage, PF:Pod formation stage , PF/M:Pod formation stage/ maturity stage, TI: Tuber initiation, TB: Tuber bulking, Ma: Maturation, F/H: Fruiting/ Harvesting stage, H: Harvesting stage

हिमाचल प्रदेश की विभिन्न कृषि मौसम क्षेत्रीय इकाइयों (एएमएफयू) द्वारा जारी कृषि मौसम परामर्श

लाहौल-स्पीति
मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन 08:30 IST तक मान्य):अगले पांच दिनों तक कोई चेतावनी नहीं।

IMD SHIMLA

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबन्धितएग्रोमेट सलाह:अगले पांच दिनों तक कोई प्रभाव नहीं।

सामान्य सलाह:

- आलूके मेढ़ों से घास निकाल कर उन्हें उसके ऊपर डाल दें ताकिनमी को बनायारखा जा सके।पहली निराई-गुड़ाई करने के साथ ही पौधों को मिट्टी चढ़ाएं और शेष बचा नाइट्रोजन डाले।
- फलियां पूर्णतः भर जाए तो फली तोड़ने का काम जारी करें और मंडियों में भेजने दें।
- पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था पर पूरा ध्यान दिया जाए। पीने के कुंडों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी देना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

- तितलियों को नियंत्रण करने के लिए मैलाथियन 50 ईसीयालैम्ब्डासाइहलोथ्रिन- @1 मिलीलीटर / 1 लीटर पानीके साथ घोलकर खेतों में छिड़काव करें।

मुख्यफसलें	अवस्था	कीट / रोग	कृषिपरामर्श
पॉलीहाउस:खीरा	पुष्पन अवस्था		• पौधे कोसहारा देकर सीधा खड़ा करें। • आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
पॉलीहाउस:टमाटर	वनस्पति चरण		• पौधे कोसहारा देकर सीधा खड़ा करें। • आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
मटर	शाखायुक्तअवस्था/पुष्पनअवस्था/फलीगठनचरण/विकास	पीलेपन के लक्षण चूर्णलासिता रोग	• मटर में वनस्पति अवस्थाके दौरान पत्तियों में पीलेपन के लक्षण दिखाई दें तो प्रति लीटर पानी में 100-150 ग्रामयूरिया का छिड़काव करें। • मटर के पौधों में चूर्णलासिता रोग के लक्षण दिखाई दें ही हेक्साकोनाज़ोल 5 मि.ली./10 लीटर पानी में घोल कर खेतों में स्प्रे करें। • फलियां पूर्णतः भर जाए तो फली तोड़ने का काम जारी करें और मंडियों में भेजने दें। • मटर के रोगग्रस्त पौधों को खेतों से इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
राजमाश	अंकुर की अवस्था/ शाखायुक्त अवस्था	-	• खेतोंसेघासहटादें। • आवश्यकताअनुसार सिंचाई करें।

आलू	अंकुरित विकास/ वनस्पति अवस्था	-	• पहली निराई-गुड़ाई करने के साथ ही पौधों को मिट्टी चढ़ाएं और शेष बचा नाइट्रोजन डाले। • मेढ़ों से घास निकाल कर उन्हें उसके ऊपर डाल दें ताकिनमी को बनायारखा जा सके। • आवश्यकताअनुसार सिंचाई करें। • यह ध्यान रहे कि पानी मेढ़ों के ऊपर से न बहे।
जौ	वृद्धि चरण	-	• खेतोंसेघासहटादें। • नाईट्रोजन की शेष आधी मात्रा पहली सिंचाई के साथ दें।
फूलगोभी/पत्तागोभी	वनस्पति विकास	कटुआ कीट जड़ सड़न तितलियां	• फूलगोभी के युवा पौधे अगर कटुआ कीट से क्षतिग्रस्त हो रहे हैं तो क्लोरोपाइरीफॉस 20 ईसी@3मि.ली. / लीटर पानी सेभूमिकीसतह के पास छिड़काव करें। • जड़ सड़न को नियंत्रित करने के लिए कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रतिलीटर के हिसाब से ड्रेंचिंग करें| • तितलियों को नियंत्रण करने के लिए मैलाथियन 50 ईसीयालैम्ब्डासाइहलोथ्रिन- @1 मिलीलीटर / 1 लीटर पानीके साथ घोलकर खेतों में छिड़काव करें।
सेब	फलों का विकास	सफ़ेदचूर्ण रोग	• सेब मेंसफ़ेदचूर्ण रोगके नियंत्रण करने के लिए (टेबुकोनाज़ोल 8% + कैप्टन 32% एस.सी.) 500 मि.ली.

		माइट	प्रति 200 लीटर पानी के साथ स्प्रे करें। • सेब में माइट के लिए 200 मिली लीटर पानी में फेनाज़ाक्विन50 मि.ली. या प्रोपरगाइट200 मि.ली.से छिड़काव करें।
पशु (गाय)	-	-	• जानवरों को आवश्यक शरीर के नमकके नुकसान से बचने के लिए उचित मात्रा में नमक का मिश्रण फ़ीड और पानी के साथ मिलाकर जानवरोंको दें। • मौसम के आधार पर , पशु आहार की सामग्री को बदलना चाहिए। • पशुओं को कीड़े मारने की दवा समय-समय पर दी जानी चाहिए। • इस समय पशुओं में गर्मी से संबंधित जो बीमारियाँ देखी जा सकती हैं, वे हैं बुखार, डिहाइड्रेशन, शरीर में लवणों की कमी, भूख न लगना और उत्पादकता में कमी। • मौसम के अनुसार पशु आहार में बदलाव करते रहना चाहिए। इस समय आहार में गेहूँ का भूसा और ज्वार की मात्रा बढ़ानी चाहिए। • पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था पर पूरा ध्यान दिया जाए। पीने के कुंडों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी देना चाहिए।

किन्नौर

मौसम चेतावनियाँ(अगले दिन 08:30 IST तक मान्य):अगले पांच दिनों तक कोई चेतावनी नहीं।

मौसम चेतावनियोंके कृषि पर संभावित प्रभाव और संबन्धितएग्रोमेट सलाह:अगले पांच दिनों तक कोई प्रभाव नहीं।

सामान्य सलाह:

- आलूके मेढ़ों से घास निकाल कर उन्हें उसके ऊपर डाल दें ताकिनमी को बनायारखा जा सके।पहली निराई-गुड़ाई करने के साथ ही पौधों को मिट्टी चढ़ाएं और शेष बचा नाइट्रोजन डाले।
- फलियां पूर्णतः भर जाए तो फली तोड़ने का काम जारी करें और मंडियों में भेजने दें।
- पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था पर पूरा ध्यान दिया जाए। पीने के कुंडों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी देना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

- तितलियों को नियंत्रण करने के लिए मैलाथियन 50 ईसीयालैम्ब्डासाइहलोथ्रिन- @1 मिलीलीटर / 1 लीटर पानीके साथ घोलकर खेतों में छिड़काव करें।

मुख्यफसलें	अवस्था	कीट / रोग	कृषिपरामर्श
पॉलीहाउस:खीरा	पुष्पन अवस्था		• पौधे कोसहारा देकर सीधा खड़ा करें। • आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
पॉलीहाउस:टमाटर	वनस्पति चरण		• पौधे कोसहारा देकर सीधा खड़ा करें। • आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
मटर	पुष्पन अवस्था/ फली गठन चरण/विकास, परिपक्वता और तुड़ाई	पीलेपन के लक्षण चूर्णलासिता रोग	• मटर में वनस्पति अवस्थाके दौरान पत्तियों में पीलेपन के लक्षण दिखाई दें तो प्रति लीटर पानी में 100-150 ग्रामयूरिया का छिड़काव करें। • मटर के पौधों में चूर्णलासिता रोग के लक्षण दिखाई दें ही हेक्साकोनाज़ोल 5 मि.ली./10 लीटर पानी में घोल कर खेतों में स्प्रे करें। • फलियां पूर्णतः भर जाए तो फली तोड़ने का काम जारी करें और मंडियों में भेजने दें। • मटर के रोगग्रस्त पौधों को खेतों से इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
राजमाश	अंकुर की अवस्था/ शाखायुक्त अवस्था	-	• खेतोंसेघासहटादें। • आवश्यकताअनुसार सिंचाई करें।
आलू	अंकुरित विकास/ वनस्पति अवस्था	-	• पहली निराई-गुड़ाई करने के साथ ही पौधों को मिट्टी चढ़ाएं और शेष बचा नाइट्रोजन डाले। • मेढ़ों से घास निकाल कर उन्हें उसके ऊपर डाल दें

			ताकिनमी को बनायारखा जा सके। • आवश्यकताअनुसार सिंचाई करें। • यह ध्यान रहे कि पानी मेढ़ों के ऊपर से न बहे।
जौ	वृद्धि चरण	-	• खेतोंसेघासहटादें। • नाईट्रोजन की शेष आधी मात्रा पहली सिंचाई के साथ दें।
फूलगोभी/पत्तागोभी	वनस्पति अवस्था	कटुआ कीट जड़ सड़न तितलियां	• फूलगोभी के युवा पौधे अगर कटुआ कीट से क्षतिग्रस्त हो रहे हैं तो क्लोरोपाइरीफॉस 20 ईसी@3मि.ली. / लीटर पानी सेभूमिकीसतह के पास छिड़काव करें। • जड़ सड़न को नियंत्रित करने के लिए कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रतिलीटर के हिसाब से ड्रेंचिंग करें| • तितलियों को नियंत्रण करने के लिए मैलाथियन 50 ईसीयालैम्ब्डासाइहलोथ्रिन- @1 मिलीलीटर / 1 लीटर पानीके साथ घोलकर खेतों में छिड़काव करें।
सेब	फलों का विकास	सफ़ेदचूर्ण रोग माइट	• सेब मेंसफ़ेदचूर्ण रोगके नियंत्रण करने के लिए (टेबुकोनाज़ोल 8% + कैप्टन 32% एस.सी.) 500 मि.ली. प्रति 200 लीटर पानी के साथ स्प्रे करें। • सेब में माइट के लिए 200 मिली लीटर पानी में फेनाज़ाक्विन50 मि.ली. या प्रोपरगाइट200 मि.ली.से छिड़काव करें।
खुबानी	फलों का विकास	-	-
पशु (गाय)	-	-	• जानवरों को आवश्यक शरीर के नमकके नुकसान से बचने के लिए उचित मात्रा में नमक का मिश्रण फ़ीड और पानी के साथ मिलाकर जानवरोंको दें। • मौसम के आधार पर , पशु आहार की सामग्री को बदलना चाहिए। • पशुओं को कीड़े मारने की दवा समय-समय पर दी जानी चाहिए। • इस समय पशुओं में गर्मी से संबंधित जो बीमारियाँ देखी जा सकती हैं, वे हैं बुखार, डिहाइड्रेशन, शरीर में लवणों की कमी, भूख न लगना और उत्पादकता में कमी। • मौसम के अनुसार पशु आहार में बदलाव करते रहना चाहिए। इस समय आहार में गेहूँ का भूसा और ज्वार की मात्रा बढ़ानी चाहिए।

			• पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था पर पूरा ध्यान दिया जाए। पीने के कुंडों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी देना चाहिए।

सोलन

General advisory:

 गर्जनऔरआकाशीयबिजलीसेबचावकेलिएकिसानखुलेखेतोंमेंजानेसेबचें।ऊँचेपेड़ोंयाअन्यऊँचीवस्तुओंसेदूररहें।

 भारीवर्षाकीस्थितिमेंकिसाननदी, नालोंकेपासजानेसेबचें, क्योंकिजलस्तरबढ़सकताहै।

 सभीफसलोंमेंसिंचाईकाकार्यस्थगितरखें।

 वर्षाजलकोएकत्रितकरनेएवंभंडारणकीउचितव्यवस्थाकरें।

 जलभरावसेबचनेकेलिएखेतोंमेंउचितजलनिकासीकीव्यवस्थाकरें।

ϖखेतोंसेखरपतवारहटाकरवायुसंचारमेंसुधारकरें।

ϖसंक्रमितफलोंऔरटहनियोंकीनियमितरूपसेतोड़ाईकरेंतथाउनकाउचिततरीकेसेनिपटानकरें (मिट्टीमेंदबादें)।

SMS Advisory:

 स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत ऐप का उपयोग करें।

खुबानी	तोड़ाईकरनेकेबाद, गिरेहुएफलोंकोइकट्ठाकरमिट्टीमेंकमसेकम 45 सेमीनीचेगड्ढोंमेंदबादें।
सेब	ϖकिसानोंकोसेबकीफसलमेंस्कैब (झुलसारोग) औरअल्टरनेरियालीफस्पॉटजैसेरोगोंकीनिगरानीकरेंक्यूँकिनमीमेंवृद्धिकेकारणरोगोंकाप्रकोपबढ़सकताहै। ϖलगातारबादलछाएरहनेऔरआर्द्रताअधिकरहनेकीस्थितिमेंछिड़कावसेबचेंऔरइसकेस्थानपरनिचलीशाखाओंकीछंटाईकरकेवायुसंचारमेंसुधारकरें, ताकिसेबकेबागानोंमेंस्कैबऔरअल्टरनेरियापत्तीधब्बारोगकाखतराकमहोसके। ϖसंक्रमितटहनियों, शाखाओंएवंपत्तियोंकोपेड़ोंसेहटाकरनष्टकरें। ϖपेड़ोंकेतोलियोंसेखरपतवारहटानेकीसिफारिशकीजातीहै।
टमाटर	ϖकिसानोंकोमिट्टीसेफैलनेवालेरोगोंकेखतरेकोकमकरनेकेलिएपौधोंकीनिचली 10–15 सेंटीमीटरतककीपत्तियोंकोहटानेकीसलाहदीजातीहै। ϖकिसानोंकोखेतोंमेंउचितजलनिकासीकीव्यवस्थाकरनेकीसलाहदीजातीहै। फसलमेंबकआईरॉटएवंझुलसारोगकीनियमितनिगरानीकरें।रोगग्रस्तपौधोंअथवाउनकेभागोंकोतुरंतखेतसेनि

	कालकरगहराईमेंदबादें, ताकिरोगकाप्रसाररोकाजासके।
खीरा	▯ किसानों को बेलों को सहारा देने और खेतों में उचित जल निकासी नालियाँ बनाने की सलाह दी जाती है।
शिमला मिर्च	▯ फसलमेंसर्कोस्पोरालीफस्पॉट (जिसमेंपत्तियोंपरसफेदकेंद्रकेसाथलाल-भूरेकिनारेबनतेहैं) रोगकीनिगरानीकरें। ▯ खेतमेंउचितजलनिकासीकीव्यवस्थाकरेंतथारोगग्रस्तपत्तियोंकोतुरंतहटाकरदबादें, ताकिरोगकाप्रसाररोकाजासके।
मक्की	▯ खेतों में जलभराव की स्थिति से बचने के लिए उचित जल निकासी नालियाँ बनाएं।
प्राकृतिक खेती	▯पौधोंकेचारोंओरजैविकमल्च (सूखीपत्तियों) काउपयोगकरेंताकिमिट्टीमेंनमीबनीरहेऔरखरपतवारोंपरनियंत्रणपायाजासके।मल्चपानीकेसतहीबहावको भीधीमाकरताहै। ▯ प्राकृतिक खेती करने वाले किसान कीट पतंगों के हमले को-अग्नास्त्र, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र और दशपर्णी अर्क का छिड़काव करके नियंत्रित कर सकते हैं, जो सप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत की दर से और जीवामृत का छिड़काव नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत की दर से साफ मौसम में करें।
गाय	▯किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिमानसूनकेआगमनकेसाथहोनेवालीखुरपका-मुंहपका (एफ.एम.डी.) औरब्लैकक्वार्टर (बी.क्यू.) जैसीबीमारियोंसेपशुओंकोबचानेकेलिएसमयपरटीकाकरणअवश्यकराएं।

ऊना,चंबा,कांगड़ा,हमीरपुर

मौसम की चेतावनियाँ (अगले दिन 08:30 IST तक वैध):-

- अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना

कृषि पर मौसम की चेतावनियों का संभावित प्रभाव और संबंधित कृषि मौसम संबंधी सलाह:-

- निचले क्षेत्रों में जलभराव से जड़ों को नुकसान, फफूंद संक्रमण और फसल की वृद्धि में रुकावट हो सकती है।
- नर्सरी बेड में डैम्पिंग-ऑफ रोग की संभावना बढ़ जाती है।

सामान्य सलाह:

- स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत ऐप का उपयोग करें। फसल आधारित कृषि सलाह का नियमित रूप से पालन करें।
- आईएमडी की चेतावनियों और स्थानीय अलर्ट से अपडेट रहें

एसएमएस सलाह:

- प्रतिकूल मौसम के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करें।

मुख्य फसलें	फसल अवस्था	मौसम आधारित कृषि सलाह
खरीफ फसलें	क्षेत्र की तैयारी	• नर्सरी को पानी के ठहराव से बचाना चाहिए। • यदि पर्याप्त वर्षा हो जाए तो रोपाई के लिए पोखर बनाना शुरू करें • अपवाह और मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए बाँध और चैनल सुनिश्चित करें।
अनाज का भंडारण		• भंडारण से पहले अनाज को साफ करें, धूल, भूसी और खराब दानों को निकाल दें। • गोदामों को अच्छी तरह से साफ करें, पिछले फसल के अंशों को

		हटा दें। दीवारों की दरारें भरें और सफेदी करें।
धान	प्रत्यारोपण	• रोपाई से पहले उचित जल-जमाव सुनिश्चित करें। • धान की फसल की तैयारी के लिए वर्तमान नमी की स्थिति का उपयोग करें
मक्का	अंकुरण अवस्था	• वर्षा अंकुरण के लिए अनुकूल है, लेकिन जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। • नियमित रूप से निराई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है; वर्षा खरपतवार के उगने के लिए अच्छी परिस्थितियाँ प्रदान करती है।
चारा	बुवाई	• अंकुरण के लिए वर्षा पर्याप्त है; अतिरिक्त सिंचाई से बचें। • जड़ सड़न या जलभराव को रोकने के लिए खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
खीरा, ग्रीष्मकालीन स्क्वैश, करेला, लौकी	स्टेकिंग/देखभाल	• वायु संचार, फलों की गुणवत्ता में सुधार और रोग के जोखिम को कम करने के लिए स्टेकिंग प्रदान करें। • वर्षा से सिंचाई की आवश्यकता कम होगी; केवल आवश्यकता होने पर ही सिंचाई करें और जड़ सड़न को रोकने के लिए अच्छी जल निकासी सुनिश्चित करें • मिट्टी की नमी बनाए रखने और खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए पौधों के चारों ओर जैविक मल्च (भूसा, सूखी पत्तियां) का उपयोग करें। • लंबी और फलीदार फसलों को सहारा (स्टेकिंग) प्रदान करें
पॉली हाउस कृषि	वानस्पतिक अवस्था से लेकर प्रारंभिक पुष्पन अवस्था तक	• साइड वेंट या एग्जॉस्ट फैन का उपयोग करके उचित वेंटिलेशन सुनिश्चित करें। • अत्यधिक धुंध से बचें और हवा के आदान-प्रदान को बनाए रखने के लिए सर्कुलेशन फैन का उपयोग करें • निगरानी के लिए पीले चिपचिपे जाल का उपयोग करें।
मशरूम	कटाई	• अच्छी फसल के लिए कमरे का तापमान 17-18 डिग्री सेल्सियस और सापेक्ष आर्द्रता 80-85% बनाए रखें। मशरूम पर पानी के जमाव को रोकने के लिए पंखे द्वारा हवा का संचार सुनिश्चित करें। • अधिक पानी देने से बचें क्योंकि इससे बैक्टीरिया का संक्रमण बढ़ सकता है। • ठंडी और हवादार जगह पर स्टोर करें, या नमी वाले मौसम में जल्दी खराब होने की वजह से तुरंत बेच दें। • बढ़ते तापमान (33-34 डिग्री सेल्सियस तक) और उच्च आर्द्रता के कारण, यह धान के भूसे वाले मशरूम को उगाने का आदर्श समय है।
बागवानी	परिपक्वता	• नमी बनाए रखने के लिए पेड़ों के बेसिन को खरपतवार मुक्त रखें और उसमें गीली घास डालें। • युवा पौधों और लताओं को सहारा दें
फूलों की खेती	पुष्पन अवस्था	• हवा का प्रवाह सुनिश्चित करने और बीमारी को कम करने के लिए पौधों के बीच उचित दूरी बनाए रखें। • नर्सरी को छायादार जाल से सुरक्षित रखें और अच्छी जल निकासी सुनिश्चित करें • फफूंद जनित बीमारी को रोकने के लिए बारिश के बाद मैन्कोजेब या कार्बेन्डाजिम (0.1%) का छिड़काव करें। • हवा/बारिश के कारण गिरने से बचाने के लिए ग्लेडियोलस जैसी लंबी

		फूलों वाली फसलों को सहारा दें।
मधुमक्खी पालन		• छत्तों को जलभराव और चींटियों के प्रवेश से बचाने के लिए ऊंचे स्टैंड पर रखें। • छत्तों को आश्रय वाले और ऊंचे क्षेत्रों में स्थानांतरित करें
पशुधन: गाय, भेड़ और बकरी आदि।	देखभाल	• मच्छर जनित बीमारियों से बचने के लिए पशु शेड के पास पानी का ठहराव रोकें। • स्तनपान और स्वास्थ्य को सहारा देने के लिए प्रतिदिन खनिज मिश्रण दें। • भेड़ और बकरियाँ गीली, कीचड़ वाली ज़मीन के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। ऊँची स्लेटेड फ़्लोरिंग या पुआल जैसे सूखे बिस्तर का उपयोग करें। • चारा/पानी के स्रोतों को साफ़ करें और ढँक दें।
मुर्गीपालन	देखभाल	• बिस्तर की सामग्री को सूखा रखें - फंगल/बैक्टीरियल संक्रमण को रोकने के लिए कूड़े को प्रतिदिन बदलें या हिलाएं। • शेड के आस-पास चूना या ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग करें ताकि जलभराव और रोगाणुओं का निर्माण न हो। • मच्छरों के प्रजनन और मक्खियों के संक्रमण से बचने के लिए शेड के पास स्थिर पानी को साफ करें।
मत्स्य पालन	पालन-पोषण	• आस-पास के बहाव से होने वाले अतिप्रवाह या संदूषण से बचने के लिए उचित इनलेट और आउटलेट सिस्टम सुनिश्चित करें। • सुनिश्चित करें कि नए स्टॉकिंग से पहले तालाबों को अच्छी तरह से साफ किया गया हो और गाद निकाली गई हो। • दिन के ठंडे हिस्सों में सुबह जल्दी और देर दोपहर में चारा डालें।
प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य): • निचले क्षेत्रों में जलभराव से जड़ों को नुकसान, फफूंद संक्रमण और फसल की वृद्धि में रुकावट हो सकती है। • नर्सरी बेड में डैम्पिंग-ऑफ रोग की संभावना बढ़ जाती है।		

कुल्लू और मंडी

मौसमकीचेतावनियाँ(अगलेदिन08:30 IST तकवैध):-

• कोईचेतावनीनहीं।

कृषि पर मौसम की चेतावनियों का संभावित प्रभाव और संबंधित कृषि मौसम संबंधी सलाह:-

• किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेभारीवर्षाकीस्थितिमेंजलभरावसेबचनेकेलिएअपनेखेतोंमेंउचितजलनिकासीनालियांबनाएं।

सामान्यसलाह:

• भारतीयमौसमविभागसेप्राप्तएनडीवीआईमानचित्रसेपताचलताहैकिजिलेकेअलग-अलगस्थानोंपरकृषिकीस्थितिअच्छीहै।
· किसानोंकोपर्यावरणसंरक्षणकेलिए 1 से 7 जुलाई, 2025 तकवनमहोत्सवसप्ताहमेंपेड़लगानेकीसलाहदीजातीहै।
· किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेभारीवर्षाकीस्थितिमेंपानीकेठहरावसेबचनेकेलिएअपनेखेतोंमेंउचितजलनिकासीचैनलबनाएं।
· किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेअपनीफसलोंपरकीटऔरबीमारीकेहमलेकीनिगरानीकरें, जोकिमौजूदामौसमकीस्थितिमेंअपेक्षितहै।

· किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेस्थानीयभाषामेंकृषिमौसमसंबंधीसलाहकेबारेमेंजानकारीप्राप्तकरनेकेलिएअपनेमोबाइलप्लेस्टोरसेमेघदूतऐपडाउनलोडकरें।ऐपडाउनलोडकरनेकेलिएनिम्नलिंकपरक्लिककरें: · Android उपयोगकर्ताओंकेलिए: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot&hl=en_IN&gl=US · IOS उपयोगकर्ताओंकेलिए: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155
एसएमएससलाह: सफेदजड़सड़नकेनियंत्रणकेलिए, वर्षाऋतुकेप्रारंभहोनेपर, बेसिनक्षेत्रकोकार्बेन्डाजिम (0.1%) याऑरियोफंगिन (0.05%) + कॉपरसल्फेट (0.05%) केसाथ 15-20 सेमीकीगहराईतक 3-4 बारभिगोएं।

मुख्य फसलें	फसल अवस्था	मौसम आधारित कृषि सलाह
सेब	फलविकासअवस्था	• बढ़ीहुईनमीकेकारण, किसानोंकोस्कैब, ब्लैकरॉट, अल्टरनेरियालीफस्पॉट/समयसेपहलेपत्तीगिरनेजैसेलक्षणोंकेलिएअपनीसेबकी फसलोंपरकड़ीनज़ररखनेकीज़रूरतहै। ·सफ़ेदजड़सड़नकेनियंत्रणकेलिए, बरसातकेमौसमकीशुरुआतकेसाथ 15-20 सेमीकीगहराईतककार्बेन्डाजिम (0.1%) याऑरियोफ़ंगिन (0.05%) + कॉपरसल्फेट (0.05%) केसाथबेसिनक्षेत्रको 3-4 बारभिगोएँ। ·अल्टरनेरियालीफस्पॉट/समयसेपहलेपत्तीगिरनेकोनियंत्रितकरनेकेलिए, कार्बेन्डाजिम 25% + फ़्लूसिलाज़ोल 12.5% एससी @ 160 मिलीको 200 लीटरपानीमेंमिलाकरछिड़कावकरें। ·सेबमेंस्कैबऔरब्लैकरॉटकेहमलेकोनियंत्रितकरनेकेलिए, फलविकासचरणमेंनिवारकउपायकेरूपमेंज़िनेब @ 600 ग्रामको 200 लीटरपानीमेंमिलाकरछिड़कावकरें। ·सेबकीफसलपरमाइट्सकेहमलेकोनियंत्रितकरनेकेलिएस्पिरोमेसिफेन 60 मिलीको 200 लीटरपानीमेंमिलाकरछिड़कावकरें।
नाशपाती	फलविकासअवस्था/फल परिपक्वता/ फलतुडान	• चूंकिफलकटाईकेलिएतैयारहैं, इसलिएमौसमकेपूर्वानुमानकोध्यानमेंरखतेहुएकटाईकीयोजनाबनाएं। •पूरीतरहसेपकेफलोंकीकटाईकरें। •छंटाई, ग्रेडिंगऔरपैकेजिंगकाकामकियाजानाचाहिए।
गुठलीदार फल (खुबानी, बेर, आड़ू)	फलविकासअवस्था/फल परिपक्वता/ फलतुडान	• पूरीतरहसेपकेहुएफलोंकीतुड़ाईकरें। •छंटाई, ग्रेडिंगऔरपैकेजिंगकीजानीचाहिए।
अनार	फलविकासअवस्था	• किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेअनारपरअनारतितलीकेहमलेकीनिगरानीकरें, जोकिमौजूदामौसमकीस्थितिमेंअपेक्षितहैऔरफिरउचितनिवारकउपायकरें। ·फलोंकीसतहपरजीवाणुजनितफलोंकेधब्बोंकोमौसमसाफहोनेपर 200 लीटरपानीमेंकॉपरऑक्सीक्लोराइड + स्ट्रेप्टोसाइक्लिन @ 400 ग्राम + 4 पैक (6 ग्रामप्रत्येक) केसंयुक्तउत्पादकाछिड़कावकरकेप्रबंधितकियाजासकताहै।
खीरा/करेला/लौकी	पुष्पन / फलनअवस्था	• कद्दूवर्गीयफसलोंपरकीटोंकेहमलेकीजांचकरेंऔरबेलोंकोऊपरउठानेकेलिएसहारादें। ·सफेदमक्खीकेप्रकोपकीस्थितिमेंपौधोंपरइमिडाक्लोप्रिड @ 60 मिली/200 लीटरपानीकाछिड़कावकरें। ·कद्दूवर्गीयफसलोंमेंफलमक्खीकोनियंत्रितकरनेकेलिएप्रतिबीघा 2 जालकीदरसेफेरोमोनजालकाउपयोगकरें।

भिंडी/लेडी फिंगर/ फ्रेंच बीन्स	वनस्पति/ पुष्पन/ फलन	• पाउडरीफफूंदकेप्रबंधनकेलिएटेबुकोनाज़ोल 0.04% (40 ग्रामप्रति 100 लीटर) याहेक्साकोनाज़ोल 5 ईसी 0.05% (50 एमएल / 100 लीटर) का 15 दिनोंकेअंतरालपरछिड़कावकरें। ·भिंडी, बैंगन, फ्रेंचबीनऔरअन्यसब्जीफसलोंकीशुरुआतीफसलअवस्थाओंकेदौरानपत्तीखाने वालेकीटलगसकतेहैं।प्रबंधनकेलिए, एकहेक्टेयरकेलिए 750 लीटरपानीमें 750 मिलीमैलाथियान 50 ईसीकाछिड़कावकरें।
टमाटर/बैंगन/शिमलामिर्च /मिर्च	पुष्पन/ फलन/तुडान	• किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेफसलमेंरोगकेसंक्रमणकीनिगरानीकरें, क्योंकिवर्षाकेबादरोगहोनेकीसंभावनाहोसकतीहै। •खराबहोनेसेबचानेकेलिएपकेहुएफलोंकीसमयपरकटाईकरें। •वायरलरोगोंकोनियंत्रितकरनेकेलिएसंक्रमितपौधोंकोनष्टकरेंऔररसचूसनेवाले कीटोंकोनियंत्रितकरनेकेलिएसभीउद्देश्योंकेलिएकीटनाशकोंकाछिड़कावकरें। •टमाटरमेंफलछेदककेलिएकीटोंकीआबादीकीनिगरानीकेलिएप्रतिएकड़ 3-4 ट्रैपफेरोमोनट्रैपलगाएं। •प्रारंभिकझुलसा, बकआईरॉटऔरफलसड़नरोगोंकेप्रबंधनकेलिएलक्षणदिखाईदेनेपररिडोमिलए मजेड @ 2.5 ग्राम/लीटरकाछिड़कावकरें। •पाउडरीफफूंदकेप्रबंधनकेलिए 15 दिनोंकेअंतरालपरटेबुकोनाज़ोल 0.04% (40 ग्रामप्रति 100 लीटर) याहेक्साकोनाज़ोल 5 ईसी 0.05% (50 एमएल/100 लीटर) काछिड़कावकरें।

मुख्य फसलें	फसल अवस्था	मौसम आधारित कृषि सलाह
मक्का	वनस्पति	• **खड़ेपानीकेकारणतनेसड़सकतेहैं, जिससेफसलगिरसकतीहैऔरइसकेसाथहीफसलउत्पादनऔरउपजमेंभारीकमीआसकतीहै।** **•मक्काकीफसलमेंसभीप्रकारकेखरपतवारोंकेप्रभावीनियंत्रणकेलिएबुवाईके** 20 **दिनबादटेम्बोट्रियन** 120 **ग्रामप्रतिहेक्टेयरसर्फेक्टेंटकेसाथछिड़कावकरेंयामक्काकीफसलमेंखरपतवारों की** 2-3 **पत्तीअवस्थापरटॉप्रामजोन** 25.2 **ग्रामप्रतिहेक्टेयर** + **एट्राजीन** 750 **ग्रामप्रतिहेक्टेयरकाछिड़कावकरें।** **•यदिमक्काकेसाथदलहनीफसलोंकीखेतीकीजारहीहै, तोउपरोक्तरसायनोंकाप्रयोगनकरें।इसकेलिए** 4.5 **लीटरस्टाम्पप्रतिहेक्टेयरको** 750 **लीटरपानीमेंघोलकरबुवाईके** 48 **घंटेकेभीतरछिड़कावकरें।**
राजमा	**बुवाई**	• किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेअच्छीउपजकेलिएफसलकीनिराई-गुड़ाईकरें।
रागी	वनस्पति	• किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेअच्छीउपजकेलिएफसलकीनिराई-गुड़ाईकरें।
गेहूं/जौ	परिपक्वता/कटाईअवस्था	• किसानों कोसलाहदीजातीहैकिवेफसलकीकटाईमेंदेरीनकरेंऔरयदिकटाईहोचुकीहै तोकटेहुएबीजकोसूखीजगहपररखें।

मधुमक्खीपालन

मधुमक्खी पालन		• मधुमक्खीकालोनियोंकीउचितस्वच्छताबनाएरखें। • आबादीबढ़नेपररानीकेलिएअंडेदेनेकेलिएखालीफ्रेम/कंघीडालें। • रानीकीउपस्थितिऔरप्रदर्शनकानिरीक्षणकरें। • जलभरावऔरचींटियोंकेप्रवेशसेबचानेकेलिएछत्तोंकोऊंचेस्टैंडपररखें। • छायादारपेड़ोंकेनीचेरखकरकालोनियोंकोउच्चतापमानसेबचाएं।